

देश में सैनिकि एवं अर्द्धसैनिकि कल्याण वभिाग गठति करने वाला हरयाणा पहला राज्य

चर्चा में क्यों?

26 नवंबर, 2023 को हरयाणा के सैनिकि एवं अर्द्धसैनिकि कल्याण राज्य मंत्री ओमप्रकाश यादव ने कहा कि हरयाणा देश में पहला राज्य है, जहाँ पर सैनिकि एवं अर्द्धसैनिकि कल्याण वभिाग का गठन कया गया है, जिसके माध्यम से पूर्व सैनिकों एवं अर्द्धसैनिकों के कल्याण के लिये अनेक कल्याणकारी योजनाएँ चलाई जा रही हैं।

प्रमुख बडि

- हरयाणा में युद्ध के दौरान शहीद हुए सेना के जवानों एवं केंद्रीय सशस्त्र पुलसि बलों के जवानों को पहले अनुग्रह राशा 20 लाख रुपए दी जाती थी, जिसि प्रदेश सरकार ने बढ़ाकर 50 लाख रुपए कर दया गया है।
- इसके साथ ही आई.ई.डी. ब्लास्ट के दौरान शहीद होने पर भी 50 लाख रुपए दये जाते हैं।
- हरयाणा सरकार ने अक्टूबर, 2014 से अब तक शहीद सैन्य/केंद्रीय सशस्त्र पुलसि बल के 367 आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नौकरी प्रदान की है।
- 26 नवंबर को भारत-तबिबत सीमा पुलसि बल के प्राथमकि प्रशक्षण केंद्र भानु पंचकूला में संवधान दविस एवं मलिट्स डे मनाया गया। इस अवसर पर मलिट्स से बने प्रोडक्ट भी प्रदर्शति कये गए।
- इस अवसर पर भारत-तबिबत सीमा पुलसि बल के प्राथमकि प्रशक्षण केंद्र भानु पंचकूला के महानरीक्षक ए.पी.एस. नमिबाडया भी मौजूद रहे।
- गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मलिट वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।